सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 07 JUNE TO 13 JUNE 2024 • VOLUME 45 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

दुनिया में हर इंसान अलग है। इसलिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करना सीखें!!

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

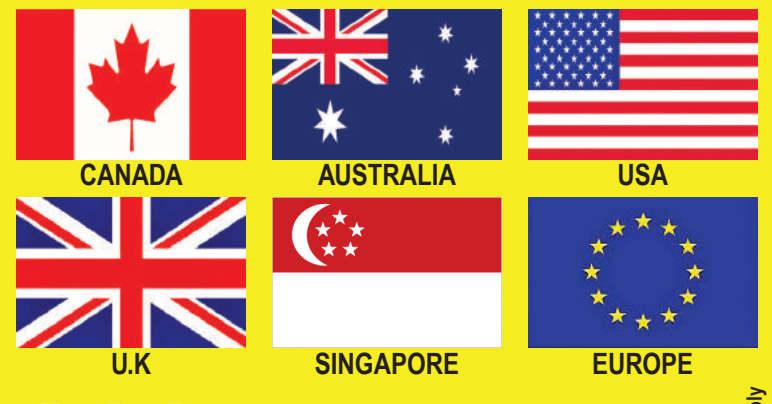

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं मोदी

मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, मॉरिशिस, नेपाल को भेजा न्योता

नई दिल्ली. मोदी 3.0 सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। अब एनडीए की तीसरे कार्यकाल का शपथ ग्रहण समारोह 9 जून की शाम को हो सकता है। ऐसे में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और बांग्लादेश की शेख हसीना को भी सीधे तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं, मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू को भी भारत ने शपथग्रहण का न्योता भेजा है।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल और मॉरीशस की प्रमुख हस्तियों को निमंत्रण भेज दिया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की कि मोदी ने उन्हें शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण दिया है। विक्रमसिंघे ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि विक्रमसिंघे ने फोन पर मोदी को चुनावी जीत पर बधाई दी। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया। मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से भी फोन पर बातचीत की है।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ को मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में

आमंत्रित किया गया है। मोदी ने प्रचंड से अलग से फोन पर बातचीत की है। क्षेत्रीय समूह 'सार्क' (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के नेताओं ने मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था जब उन्होंने भाजपा की भारी चुनावी जीत के बाद प्रधानमंत्री के रूप में बागडोर संभाली। 2019 में मोदी के लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बिम्सटेक देशों के नेताओं ने उनके शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। मोदी के 9 जून को शपथ लेने की संभावना है।

इन्होंने दी बधाई

नरेन्द्र मोदी की फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम इमैनुएल मैक्रों से टेलीफोन पर बातचीत हुई। उन्होंने नरेंद्र मोदी को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई दी और उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस बात पर जोर दिया कि भारत व फ्रांस के बीच मजबूत तथा विश्वसनीय रणनीतिक साझेदारी आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

नरेन्द्र मोदी को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री महामहिम एंथनी अल्बानीज़ ने टेलीफोन करके बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष सुश्री उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई दी। मोदी की आज यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष सुश्री उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। राष्ट्रपति वॉन डेर लेयेन ने मोदी को आम चुनावों में मिली सफलता और उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र और दुनिया के सबसे बड़े चुनाव के आयोजन की भी काफी सराहना की।

महिला जवान ने कंगना रनौत को मारा थप्पड़, किसान विरोधी टिप्पणी से थी आहत

चंडीगढ़. बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल के मंडी सीट से भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की एक गार्ड ने कथित तौर पर किसानों के विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी को लेकर थप्पड़ मारा। सीआईएसएफ की जवान ने कहा कि इसने बोला था किसान आंदोलन में 100-100 रुपये में महिलाएं बैठती थीं। वहां मेरी मां भी थी। वहीं, अभिनेत्री कंगना ने इस घटना के लिए कुलविंदर कौर के रूप में पहचानी गई गार्ड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, महिला कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया है। विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। घटना से जुड़ी एक वीडियो भी कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं। हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतने वाली कंगना रनौत घटना के समय दिल्ली जा रही थीं।

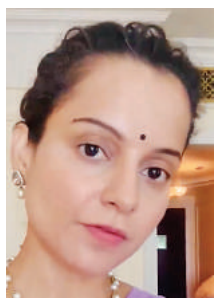

कंगना रनौत दोपहर 3 बजे विस्तारा की फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हुईं। यह घटना रनौत के हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतने के कुछ दिनों बाद हुई। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को 74,755 मतों से हराया। राजनीतिक नेत्री के रूप में अपने पहले लोकसभा चुनाव में रनौत को 5,37,022 वोट मिले।

जीत की घोषणा से पहले रनौत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मंडी के सभी लोगों को इस प्यार और भरोसे के लिए दिल से आभार। यह जीत आप सभी की है, यह प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा में आपके भरोसे की जीत है, यह सनातन की जीत है और मंडी के सम्मान की जीत है। रनौत ने एक्स पर अपनी पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, "मंडी की सांसद।"

भारत निर्वाचन आयोग ने 18वीं लोकसभा के लिए नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची राष्ट्रपति को सौंपी

नई दिल्ली. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के साथ आज (6 जून, 2024) 1630 बजे माननीया राष्ट्रपति से मुलाकात की। उनके द्वारा राष्ट्रपति को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 73 के संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना की एक प्रति सौंप दी गई जिसमें 18वीं लोकसभा के आम चुनावों के बाद लोक सभा के लिए निर्वाचित सदस्यों के नाम शामिल हैं। इसके बाद, मुख्य निर्वाचन आयुक्त, दोनों निर्वाचन आयुक्त और आयोग के वरिष्ठ अधिकारी आम चुनाव 2024 के सफल संचालन के बाद राष्ट्रपिता का आशीर्वाद लेने के लिए राजघाट गए।

मान ने मीत हेयर, चब्बेवाल व कंग को दी बधाई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत अब मान फिर से एक्शन मोड में आ गए हैं। गुरुवार को सीएम मान ने आम आदमी पार्टी (आप) के तीनों सांसदों के साथ बैठक की और उन्हें जीत की बधाई दी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप सांसदों से कहा कि अब संसद में पंजाब के लोगों का प्रतिनिधित्व करना उनकी जिम्मेदारी है और उन्हें अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभानी चाहिए।

संगरूर, होशियारपुर और श्री आनंदपुर साहिब लोकसभा क्षेत्रों के आप विधायक और चेयरमैन भी बैठक में शामिल हुए। सीएम मान ने सभी मौजूद आप नेताओं को लोगों के लिए काम करने की अपील की। मान ने कहा कि अब चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अब हमें जनता के सेवक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर वापस लौटना चाहिए। आम आदमी पार्टी के

गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आप के गढ़ संगरूर से बड़ी जीत दर्ज की, जबकि डॉ. राज कुमार चब्बेवाल होशियारपुर से और मलविंदर सिंह कंग श्री आनंदपुर साहिब लोकसभा क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व करेंगे।

मान ने कहा कि आप के तीनों सांसद बेहतरीन वक्ता हैं। वे संसद में पंजाब के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। मान ने आप सांसदों को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाने की नसीहत देते हुए कहा कि आपको संसद में हमेशा पंजाब के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठानी है। मान ने आप के तीनों सांसदों से पंजाब के विकास के लिए 30 सांसदों के बराबर काम करने को कहा।

पंजाब आबकारी विभाग के डिप्टी कमिश्नर बलवीर विर्दी गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने गुरूवार को भगौड़े मुलजिम बलवीर कुमार विर्दी, संयुक्त डायरेक्टर जी.एस.टी, पंजाब आबकारी विभाग, जो कि अब मुख्य दफ्तर पटियाला में डिप्टी कमिश्नर राज्य कर विभाग के तौर पर तैनात है, को गिरफ्तार कर लिया है और जालंधर की अदालत द्वारा उक्त मुलजिम से और अधिक पूछताछ के लिए ब्यूरो को 2 दिन का पुलिस रिमांड दिया गया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त मुलजिम बलवीर कुमार विर्दी और राज्य आबकारी विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी कुछ ट्रांसपोर्टरों और उद्योगपतियों के साथ मिलकर टैक्स की चोरी में शामिल थे। इस सम्बन्धी एफआईआर 09, तारीख़ 21.08.2020 को आइपीसी की धारा 420, 465, 467, 468, 471, 120-बी और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7 7-ए के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के थाना फ्लाईंग स्क्वॉड-1 एस.ए.एस. नगर मोहाली में बलबीर कुमार और अन्यों के विरुद्ध दर्ज की गई थी।

रिश्वत लेने के दोष में हवलदार गिरफ्तार

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने थाना घड़ूंआं, एस.ए.एस. नगर में तैनात हवलदार मनप्रीत सिंह (386/एस.ए.एस. नगर) के विरुद्ध 25000 रुपए रिश्वत मांगने और लेने के लिए भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि बलजिन्दर कौर द्वारा मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाईन पोर्टल पर दर्ज करवाई गई ऑनलाइन शिकायत के आधार पर उक्त पुलिस मुलाज़म, जो अब थाना बलौंगी में तैनात है, के विरुद्ध यह मुकद्दमा दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की जांच के दौरान यह सिद्ध हुआ कि उक्त पुलिस हवलदार ने शिकायतकर्ता से उक्त मंतव्य के लिए 25000 रुपए रिश्वत ली थी। इसके बाद दोषी के खिलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के थाना फ्लाईंग स्क्वॉड-1 पंजाब, एस.ए.एस. नगर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

लाईनमैन को रिश्वत लेते किया काबू

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने वीरवार को पी.एस.पी.सी.एल. दफ्तर, फोकल प्वाईंट बटाला, जिला गुरदासपुर में तैनात लाईनमैन सुखविन्दर सिंह को 5,000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ़्तार किया है। विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी वक्ता ने बताया कि उपरोक्त लाईनमैन को बलकार सिंह निवासी फैज़पुरा, तहसील बटाला की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद विजीलैंस ब्यूरो ने जाल बिछाया और उक्त आरोपी को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में 5,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू कर लिया।

उन्होंने बताया कि इस सम्बन्धी विजीलैंस ब्यूरो के थाना अमृतसर रेंज में आरोपी ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मुलजिम को कल अदालत में पेश किया जाएगा और बाकी पूछताछ जारी है।

राहुल गांधी के आरोपों पर पीयूष गोयल बोले- निवेशकों को डराने और गुमराह करने की रच रहे साजिश

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सबसे बड़ा शेयर बाजार घोटाला होने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग की। हालांकि, इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी नेता पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी अभी भी लोकसभा चुनाव में मिली हार से उबर नहीं पाए हैं। अब वह बाजार के निवेशकों को गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। आज भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

गोयल ने साफ तौर पर कहा कि आज राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता कर जो भाजपा और हमारे नेताओं पर अनाप-शनाप आरोप लगाए हैं, इससे साफ जाहिर होता है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार की हताशा से राहुल गांधी जी उबर नहीं पाए हैं। अब राहुल गांधी मार्केट के इंवेस्टर्स को भी गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आज पूरी दुनिया, भारत को सबसे तेजी से बढ़ती

अर्थव्यवस्था के रूप में स्वीकार करती है। मोदी जी ने देश को आश्वस्त किया है कि उनके तीसरे टर्म में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि मोदी जी के तीसरे टर्म में आने से राहुल गांधी परेशान नजर आ रहे हैं। इसलिए वो (राहुल गांधी) अपने बयानों के साथ विदेश और देश के निवेशकों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में पहली बार हमारा मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत का इक्विटी बाजार दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं के मार्केट कैप में शामिल हो गया है। हम जानते हैं कि मोदी सरकार के तहत बाजार में सूचीबद्ध पीएसयू का मार्केट कैप 4 गुना बढ़ गया है।

बीजेपी नेता पीयूष गोयल कहते हैं कि 10 साल पहले जब यूपीए सरकार सत्ता में थी, उस समय भारत का मार्केट कैप 67 लाख करोड़ रुपये था। आज मार्केट कैप बढ़कर 415 लाख करोड़ रुपये हो गया है। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए झूठे एग्जिट पोल के कारण स्टॉक बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए।

शेयर बाजार को लेकर राहुल ने लगाया घोटाले का आरोप, जेपीसी की मांग की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ गंभीर आरोप लगाते हुए 4 जून के शेयर बाजार दुर्घटना की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित शीर्ष भाजपा नेताओं ने चुनाव परिणामों की घोषणा से कुछ दिन पहले शेयर बाजार के बारे में टिप्पणियां क्यों कीं।

राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार हमने देखा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार

पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने निवेशकों को निवेश करने की सलाह क्यों दी। उन्होंने कहा कि 'फर्जी' एग्जिट पोल के बाद शेयर बाजार में तेजी आई और फिर चार जून को गिरावट आई। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि खुदरा निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, यह शेयर बाजार का सबसे बड़ा 'घोटाला' है।

दिल्ली में अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी 'आप' : गोपाल राय

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2025 की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गौरतलब है कि राय का यह बयान गुरुवार को आप द्वारा अपने विधायकों के साथ बैठक के बाद आया है। इंडिया गठबंधन के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह शुरू से ही स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। हमने लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा लेकिन दिल्ली विधानसभा

चुनाव में देश में कोई गठबंधन नहीं है। हम दिल्ली की जनता के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले हमने आप और कांग्रेस को चुनाव पूर्व गठबंधन बनाते हुए देखा जिसका उद्देश्य भाजपा विरोधी वोटों के विभाजन को रोकना था। वही आप जिसने कभी कांग्रेस के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर पर सवार होकर खुद को राजधानी में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित किया था।

हालांकि, इससे दोनों दलों को कोई फायदा नहीं हुआ। बीजेपी ने सभी सात सीटों पर जीत हासिल की।

नई जगह घूमने का है मन तो जाएं उत्तराखंड के बिनसर, दो दिन की छुट्टी में ट्रिप हो जाएगा पूरा

TRAVELLING

उत्तराखंड का हिल स्टेशन बिनसर गर्मी में घूमने के लिए परफेक्ट प्लेस है। यहां जानिए बिनसर में घूमने की बेस्ट प्लेसिस के बारे में।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

भारत में घूमने के लिए एक से एक जगह हैं। हालांकि, गर्मी के इस मौसम में ज्यादातर लोग सिर्फ ठंडी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। उत्तराखंड पहाड़ी जगह है और यहां घूमने के लिए भी कई प्लेसिस हैं।

अगर आप भी ठंडी जगह जाना चाहते हैं तो उत्तराखंड जाएं। यहां पर नैनीताल सबसे ज्यादा घूमने वाली जगहों में से एक है। वहीं उत्तराखंड में कुछ ऑफबीट जगह भी हैं। जहां पर आप घूमने के लिए जा सकते हैं। इन जगहों में से एक है बिनसर। कम भीड़ वाली जगहों पर जाना चाहते हैं तो बिनसर एकदम परफेक्ट जगह है। देखिए यहां घूमने की जगहों के बारे में।

बिनेश्वर महादेव मंदिर - बिनेश्वर महादेव मंदिर उत्तराखंड के अल्मोडा जिले के बिनसर में है। ये एक फेमस मंदिरों में से एक है, जो भगवान शिव को समर्पित है। कहते हैं कि इस मंदिर के नाम पर ही इस हिल स्टेशन का नाम रखा गया था।

गणानाथ मंदिर - गणनाथ मंदिर बिनसर के पास फेमस आकर्षणों में से एक है। ये अपनी प्राकृतिक गुफाओं और हिंदू भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर के लिए फेमस है। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मंदिर में वार्षिक मेला लगता है।

वन्यजीव अभयारण्य - बिनसर वन्यजीव अभयारण्य बाज और चीड़ के पेड़ों से घिरा है। यहां पर लोग जंगल सफारी को एंजॉय करते हैं। यहां आप आसानी से तेंदुए, जंगली बिल्ली, लोमड़ी और पक्षियों की 200 से ज्यादा प्रजातियां देख सकते है।

कसार देवी मंदिर - कसार देवी मंदिर बिनसर से 40 मिनट की दूरी पर है। स्वामी विवेकानन्द ने इसी जगह पर ध्यान किया था। मंदिर देवी कसार देवी को समर्पित है।

SKIN CARE

गर्मी के मौसम में बिगड़ जाता है मेकअप या तेजी से सफेद हो रहे हैं बाल?

हम सबके पास ढेरों सवाल होते हैं, बस नहीं होता जवाब पाने का विश्वसनीय स्रोत। इस कॉलम के जरिये हम एक्सपर्ट की मदद से आपके ऐसे ही सवालों केजवाब तलाशने की कोशिश करेंगे। इस बार सौंदर्य विशेषज्ञ देंगी आपके सवालों के जवाब। हमारी एक्सपर्ट हैं, प्रियंका ओहरी

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

गर्मी के मौसम में ज्यादातर महिलाओं की ये शिकायत होती कि उनका मेकअप बिगड़ जाता है। ऐसा पसीने की वजह से होता है। वहीं कुछ महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके बाल कम उम्र में तेजी से सफेद हो रहे हैं और बालों का टूटना भी बढ़ गया है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो एक्सपर्ट बता रही हैं निपटने का तरीका।

सवाल–मुझे बहुत ज्यादा पसीना आता है। गर्मी के मौसम में इस वजह से मुझे मेकअप करने में बहुत ज्यादा परेशानी होती है। गर्मी के मौसम में मेकअप ना बिगड़े, इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

– सरिता ठाकुर, मोगा

जवाब– गर्मी के मौसम में आपका मेकअप न बिगड़े इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि आप मेकअप करने से पहले चेहरे को बहुत अच्छे से साफ करें और उसके बाद उस स्किन टॉनिक स्प्रे करें। स्प्रे करने के बाद उसे कुछ देर के लिए छोड़ दें। स्किन टॉनिक आप घर पर भी बना सकती हैं। इसे बनाना बहुत आसान है। अगर एक्ने की समस्या है, जो एक मुट्ठी नीम की पत्तियों को एक कटोरी भर पानी में डालकर उबालें। जब पानी आधा रह जाए तो उसे छानकर रख लें। ठंडा होने के बाद इसे स्प्रे बोतल में रखें। चेहरे को साफ करने के बाद यही टॉनिक चेहरे पर स्प्रे करें। जब वह पूरी तरह से सूख जाए, तब मेकअप करें। इससे मेकअप लंबे समय तक टिकेगा। चेहरे पर सिरम जरूर लगाएं। उससे भी मेकअप टिका रहेगा। मेकअप के प्रोडक्ट वॉटर प्रूफ ही लें। ऐसे ही लिपस्टिक भी वॉटर प्रूफ या लॉन्ग लास्टिंग वाले लें। प्रोडक्ट्स का चुनाव ठीक से करें और चेहरे पर बेस ठीक से बनाएं। चेहरे को ठंडा करने के बाद उस पर मेकअप लगाएं, मेकअप गर्मी के मौसम में भी टिका रहेगा।

सवाल– मेरी उम्र 18 साल है। पिछले दो सालों से मेरे बाल तेजी से सफेद होने लगे हैं और बालों का टूटना भी बढ़ गया है। मैं कई सारे घरेलू नुस्खों को आजमा चुकी हूं, पर कोई लाभ नहीं हुआ है। इस बारे में कृपया उचित सलाह दें।

–जान्वी, जालंधर

जवाब– सफेद बाल और बाल टूटने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घर पर ही बालों को रंगें। इसके लिए रात में एक काली कड़ाही में एक चम्मच मेथी दाना, प्याज का रस, आंवला का पाउडर, मेहंदी पाउडर और शिकाकाई पाउडर डालकर मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी की मदद से गाढ़ा घोल तैयार करें। रात भर के लिए इस घोल को कड़ाही में छोड़ दें। आप इस घोल में रीठा भी डाल सकती हैं, जो बालों को साफ करने का काम करता है। अगली सुबह इसे बालों में लगाएं और एक-दो घंटे बाद बालों को धो लें। बालों की सफेदी काफी दूर हो जाएगी। आप इस्तेमाल से ठीक पहले इस घोल में सेब का सिरका भी डाल सकती हैं। यह भी बालों को काला रंग देने का काम करता है।

आप इस घोल को तैयार करने के लिए सामान्य पानी की जगह कॉफी या चाय के पानी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस घोल को तैयार करने के बाद तुरंत लगाने से आपके बालों को जहां ब्राउन या रेडिश ब्राउन रंग मिलेगा, वहीं रात भर छोड़ने के बाद लगाने से बाल काले होंगे। अगर आपको बरगंडी रंग पसंद है, तो घोल तैयार करने के लिए कॉफी वाला पानी इस्तेमाल करने की जगह पानी में चुकंदर के टुकड़े डालकर उबालें। मैश करके और पानी छानकर उसका इस्तेमाल इस घोल को तैयार करने में करें। अगर और ज्यादा काले बाल चाहिए तो तवा गर्म करें और उस करी पत्ते को कुरकुरा होने तक भूनें। अब इसे पीसकर पाउडर को मेहंदी वाले घोल में मिला दें। पर, एक बात याद रखें कि तनाव भी बाल टूटने का एक बड़ा कारण है। तनाव कम लें। बालों से जुड़ी समस्या से छुटकारा पाने के लिए हर्बल नुस्खा अपनाएं और मार्केट में उपलब्ध 10 मिनट में बालों को रंगने का दावा करने वाले हेयर डाई से बचें। इनके इस्तेमाल से आपके बालों की सेहत और ज्यादा बिगड़ेगी क्योंकि उसमें केमिकल की मात्रा काफी ज्यादा होती है।

डिस्क्लेमर : *इस आर्टिकल में बताई विधि, तरीकों व दावों को केवल सुझाव के रूप में लें। इस तरह के किसी भी उपचार/दवा/डाइट और सुझाव पर अमल करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।*

इन गलतियों की वजह से नहीं जम पाती घर पर टाइट दही, सही तरीका

अगर आप भी घर पर टाइट और स्वादिष्ट दही नहीं जमा पाती हैं तो हो सकता है आप कुछ गलती कर रही हों। आइए जानते हैं दही जमाने के लिए आपको फॉलो करने होंगे कौन से आसान किचन टिप्स।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मियों में लोग अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना पसंद करते हैं, जो उन्हें गर्मी से राहत देने के साथ पेट को भी ठंडा बनाए रखती हैं। ऐसी ही कई चीजों में से एक दही भी है। घरों में दही का इस्तेमाल छाछ, रायता, लस्सी जैसी चीजें बनाने के लिए किया जाता है। बाजार से मिलने वाली दही टाइट तो भले रहती है लेकिन बार-बार खरीदने पर जेब पर भारी पड़ने लगती है। ऐसे में घर के बजट को ध्यान में रखते हुए घर की महिलाएं घर पर ही दही जमा लेती हैं।

हालांकि घर पर हलवाई जैसा टाइट दही जमाना हर महिला के लिए आसान काम नहीं होता है। कुछ महिलाएं गर्मियों के मौसम में शिकायत करती हैं कि उनसे बाजार जैसा टाइट दही घर पर नहीं जम पाता है या फिर दही जम भी जाए तो उसका स्वाद अच्छा नहीं होता है। अगर आप भी घर पर टाइट और स्वादिष्ट दही नहीं जमा पाती हैं तो हो सकता है आप कुछ गलती कर रही हों। आइए जानते हैं दही जमाने के लिए आपको फॉलो करने होंगे कौन से आसान किचन टिप्स।

दही जमाते समय ना करें ये गलतियां

मौसम के अनुसार चुनें दही जमाने वाला बर्तन : मौसम बदलते ही दही जमाने के लिए बर्तन भी बदल देना चाहिए। गर्मियों में दही जमाने के लिए मिट्टी का बर्तन सबसे अच्छा माना जाता है, तो वहीं सर्दियों के लिए स्टील का बर्तन सबसे अच्छा रहता है।

जैसा जामन होगा दही भी वैसा ही होगा : दही का स्वाद और टेक्सचर सब कुछ उसके जामन पर निर्भर करता है। दही जमाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला जामन यदि पतला होगा तो दही भी पतला ही जमेगा। अगर आप चाहते हैं कि आपका दही बाजार के दही की तरह टाइट जमे तो उसके लिए दही का जमान भी टाइट ही होना चाहिए।

दूध का तापमान : कई बार लोगों को दूध में जामन मिलाते समय इस बात की जानकारी नहीं होती है कि उस समय दूध कितना गर्म होना चाहिए। ऐसे में ज्यादा गर्म या ज्यादा ठंडे दूध में दही का जामन डालने से टाइट दही नहीं जम पाती है। ध्यान रखें, दही जमाने के लिए दूध को हमेशा गुनगुना रखें। इसके बाद दूध में सही जामन डालकर मिक्स करने के बाद दही को 7-8 घंटे के लिए जमने के लिए छोड़ दें।

दही जमाने के बाद बर्तन को हिलाना : दही जमने के बाद दही के बर्तन को बार-बार छूने या हिलाने से दही ढीली पड़कर पानी-पानी हो जाती है। ऐसे में टाइट दही जमाने के लिए दही के बर्तन को ढक कर किसी जगह पर रख दें, जहां से दही के बर्तन को बार-बार ना हिलाया जा सके।

दही जमाने का तरीका : दही जमाने के लिए दूध के सही तापमान और जामन का ध्यान रखना चाहिए। इसके बाद आधा लीटर दूध में एक बड़ा चम्मच दही का जामन डालकर अच्छे से मिक्स करके रसोई के किसी कोने में ढक कर रख दें।

बच्चों की इन कमियों पर कभी ना चिढ़ाएं पैरेंट्स, आत्मविश्वास पर होता है बुरा असर

जालंधर ब्रीज (फीचर) . पैरेंट्स बच्चों को आगे बढ़ने और उनकी ग्रोथ में सपोर्ट करते हैं। लेकिन कई बार वो जाने-अनजाने में बच्चे की कमियों पर उसे चिढ़ा देते है। जिसकी वजह से बच्चा काफी हर्ट हो जाता है। वहीं बच्चों का आत्मविश्वास भी डगमगाने लगता है। क्योंकि उन्हें लगता है कि जब मां-पिता ही बोल रहे हैं तो मैं इन कमियों को दूर नहीं कर सकता। इसलिए बच्चों को कभी भी इन बातों के लिए टीज नहीं करना चाहिए।

देर से सीखना समझना : बच्चे की अगर सीखने-समझने की क्षमता बाकी बच्चों से कम है। वो देर से समझ पाता है। तो इसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे डिस्लैक्सिया, एडीएचडी या कोई और समस्या। बच्चे के लर्निंग कैपेबिलिटी पर चिढ़ाने से बच्चे की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही बच्चे के एकेडमिक प्रोग्रेस पर भी बुरा असर पड़ता है।

बच्चे का डर : बच्चे के मन में अंधेरे को लेकर, अकेले रहने को लेकर डर है। तो कई बार पैरेंट्स इसे दूर करने की बजाय बच्चे का मजाक उड़ाते हैं या कहते हैं कि बड़ा होने पर सब ठीक हो जाएगा। लेकिन बच्चे के डर का मजाक उड़ाने पर उसके मन में वो डर और भी ज्यादा गहरे से बैठ जाता है। फ्यूचर में दिक्कत बन सकता है।

बच्चे के फिजिकल पावर पर : बच्चे एक जैसे नहीं होते, कुछ स्पोर्ट्स में अच्चे हैं तो कुछ पढ़ाई या किसी और फील्ड में। अगर आपका बच्चा कमजोर होने की वजह से स्पोर्ट्स में नहीं भाग ले पा रहा है तो उसे फोर्स कर या मजाक उड़ाकर ना भेजें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास डगमगा जाता है।

बच्चे के इमोशनल एक्सप्रेशन पर : बच्चे अपनी भावनाओं को अलग-अलग तरीके से दिखाते हैं। उनके रोने, चिल्लाने, ज्यादा एक्साइटेड होने या डर दिखाने पर उन्हें ये कहना कि ऐसा ना करो। या क्यों इतना ज्यादा एक्साइटेड हो ये बहुत छोटी चीज है। बच्चे प्रभावित होते हैं और अपनी भावनाओं को जाहिर करना भी बंद कर देंगे।

बच्चे के इंटरेस्ट पर भी चिढ़ाना : अगर किसी बच्चे को डॉल खेलना पसंद है या फिर कॉमिक्स बुक पढ़ना पसंद है। या वो बच्चा बाहर गार्डेन में घंटों तितली देखना चाहता है। तो बच्चे के इस स्वभाव का मजाक ना बनाएं। इससे बच्चे अपने इंटरेस्ट को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं और अपने मनमुताबिक चीजें नहीं कर पाते हैं।

डिस्क्लेमर : *इस आर्टिकल में बताई विधि, तरीकों व दावों को केवल सुझाव के रूप में लें। इस तरह के किसी भी उपचार/दवा/डाइट और सुझाव पर अमल करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।*

महिलाओं के लिए वरदान से कम नहीं है आलूबुखारा

HEALTH

सेहत के लिए आलूबुखारे के फायदों को देखते हुए खुद बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करके इसके फायदे बताए हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

गर्मियों में मिलने वाले रंग-बिरंगे फल, ना सिर्फ मुंह का स्वाद सुधारते हैं बल्कि सेहत के लिए भी वरदान माने जाते हैं। ऐसे ही एक फल को लोग आलूबुखारा के नाम से भी जानते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा और कई पौष्टिक गुणों से भरपूर आलूबुखारा अंग्रेजी में प्लम नाम से पहचाना जाता है। बात अगर प्लम में मौजूद पोषक तत्वों की करें तो आलूबुखारे में प्रोटीन, विटामिन-सी, फैट, कार्म्ब, फाइबर और पोटैशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। महिलाओं के लिए तो यह फल खासतौर पर फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित सेवन से सेहत से जुड़ी उनकी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। सेहत के लिए आलूबुखारे के फायदों को देखते हुए खुद बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करके इसके फायदे बताए हैं।

आलूबुखारा खाने के शानदार फायदे-

इम्यूनिटी : आलूबुखारे में मौजूद आयरन, पोटैशियम, विटामिन जैसे पौषक तत्व इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। मजबूत इम्यूनिटी शरीर को बदलते मौसम से जुड़े संक्रमणों और सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं से बचाने में मददगार होती है।

डायबिटीज : प्लम का नियमित सेवन ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मदद करता है। बता दें, प्लम खासतौर पर क्लोरोजेनिक एसिड नामक पॉलीफेनोल में समृद्ध होते हैं, कॉफी में भी यह यौगिक पाया जाता है, यह ब्लड शुगर को संतुलित करने के साथ भूख को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, आलूबुखारा में पाया जाने वाला निम्न ग्लाइसेमिक इंडेक्स ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है।

मोटापा : आलूबुखारे में मौजूद कैलोरी की कम मात्रा वजन कम करने में मदद कर सकती है। वहीं, फाइबर से भरपूर होने की वजह से भी आलूबुखारा फल को वजन कम करने में फायदेमंद माना जाता है।

हड्डियों में मजबूती : आलूबुखारा बोन लॉस को ना सिर्फ रोकता है बल्कि धीरे-धीरे उसे रिवर्स भी करने में मदद करता है। ओक्लाहोमा स्टेट और फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटीज रिसर्च द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन महिलाओं ने आलूबुखारा खाया और विटामिन-डी और कैल्शियम के सप्लीमेंट लिए, उन महिलाओं की तुलना में उनकी रीढ़ और अग्रभाग में हड्डियों के घनत्व में काफी सुधार हुआ, जिन्होंने सूखे प्लम का सेवन किया और समान सप्लीमेंट लिए। आलूबुखारा खाने से महिलाएं मेनोपॉज के बाद होने वाली ओस्टियोपोरेसिस की समस्या से भी बच सकती हैं।

हीमोग्लोबिन की कमी दूर करता है-

भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार होती हैं। एनीमिया शरीर में आयरन की कमी से होने वाला रोग है। लेकिन प्लम में आयरन की प्रचूर मात्रा मौजूद होती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से एनीमिया रोग के लक्षण जैसे थकान, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आना में राहत मिलती है।

नोट : *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

नेपाल के प्रधानमंत्री ने नेपाल में अरुण-3 जलविद्युत परियोजना की हेड रेस टनल का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने नेपाल के संखुवासभा जिले में 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना की 11.8 किलोमीटर लंबी हेड रेस टनल के लिए उत्खनन के पूरा होने के उपलक्ष्य में अंतिम विस्फोट कर सुरंग का उद्घाटन किया। अरुण-3 जलविद्युत परियोजना का निर्माण एसजेवीएन अरुण-3 पावर डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एसएपीडीसी) द्वारा किया जा रहा है, जो एसजेवीएन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसएपीडीसी एसजेवीएन और नेपाल सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग है, जिसका उद्देश्य अरुण नदी बेसिन में सतत जलविद्युत उत्पादन के माध्यम से क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

सुरंग निर्माण कार्य के शुभारंभ समारोह में नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री शक्ति बहादुर बसनेत, नेपाल के प्रांत-1 के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र कार्की, नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव, एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुशील शर्मा, नेपाल के निवेश बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील भट्ट, एसएपीडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण धीमान, एसजेवीएन के कार्यकारी निदेशक राकेश सहगल तथा नेपाल सरकार के अन्य अधिकारी एवं स्थानीय अधिकारी उपस्थित थे। नेपाल के प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता हमें स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र के सतत विकास में योगदान देने के लक्ष्य के करीब ले आई है। उन्होंने चल रहे प्रयासों की सराहना की तथा अरुण-3 जल विद्युत परियोजना को समय पर पूरा करने में नेपाल सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेपाली समकक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने पिछले साल नेपाल से बिजली के आयात के लिए दीर्घकालिक बिजली व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि निर्यातोन्मुखी 900 मेगावाट अरुण 3 जलविद्युत परियोजना का पूरा होना इसके लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

एसजेवीएन के सीएमडी सुशील शर्मा ने नेपाल के प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि हेड रेस टनल का सफलतापूर्वक निर्माण 900 मेगावाट अरुण-3 जल विद्युत परियोजना के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि हेड रेस टनल का सफलतापूर्वक निर्माण अरुण नदी की जल विद्युत क्षमता का दोहन करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीएमडी ने प्रधानमंत्री को परियोजना की प्रगति और इससे संबंधित 217 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना का 74% से अधिक कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य पूरे जोरों पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरुण-3 जल विद्युत परियोजना अगले वर्ष तक बिजली उत्पादन शुरू कर देगी और इसमें हर वर्ष 3,924 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन की क्षमता है।

सीएमडी ने कहा: "हम नेपाल सरकार, स्थानीय अधिकारियों और समुदाय से मिले अटूट समर्थन के लिए आभारी हैं। यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में भारत और नेपाल के बीच मजबूत साझेदारी और ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने के हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है।"

नेपाल की अपनी यात्रा के दौरान, एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने नेपाल के मुख्य सचिव डॉ. बैकुंठ आर्यल और नेपाल के गृह सचिव श्री एकनारायण आर्यल से भी मुलाकात की तथा नेपाल में अरुण घाटी में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

वर्तमान में, एसजेवीएन नेपाल में अरुण नदी बेसिन पर 2,200 मेगावाट की तीन जलविद्युत परियोजनाओं का निष्पादन कर रहा है।

एनसीसी का दो दिवसीय 'वार्षिक नीति संवाद शिविर' नई दिल्ली में आयोजित

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का दो दिवसीय 'वार्षिक नीति संवाद शिविर' 04-05 जून, 2024 को नई दिल्ली में हुआ। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार एनसीसी की चल रही विस्तार योजना की प्रगति की समीक्षा करना था। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और इसमें देश भर के एनसीसी निदेशालयों के अतिरिक्त महानिदेशक और उप महानिदेशक शामिल हुए।

एनसीसी के महानिदेशक ने बैठक में एनसीसी के प्रशिक्षण, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स को बढ़ाने के लिए पिछले एक वर्ष में किए गए पर्याप्त प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में सार्थक योगदान देने के लिए सभी निदेशालयों के अस्तित्व का मूल कारण संस्थागत प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने देश को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में सरकार की नीतियों के अनुरूप युवा भारतीयों को प्रेरित करने तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए एनसीसी की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

सम्मेलन नई दिल्ली में करिअप्पा परेड ग्राउंड में डीजी एनसीसी कैंप के नव-पुनर्निर्मित प्रताप कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया था। हॉल का नाम 10वीं पंजाब बटालियन एनसीसी, गुरदासपुर के कैडेट सर्जेंट प्रताप सिंह के नाम पर रखा गया है। युद्ध के दौरान 13 सितंबर, 1965 को गुरदासपुर रेलवे स्टेशन पर अग्निशमन अभियानों के दौरान उनकी वीरता और निस्वार्थ कर्तव्य के लिए उन्हें अशोक चक्र क्लास-III से सम्मानित किया गया था।

भारत के साथ रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं, नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए और क्या बोला चीन

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

चीन ने भारत के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के बहुमत प्राप्त करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है और कहा है कि चीन भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बुधवार को यहां कहा कि एक मजबूत और स्थिर चीन-भारत संबंध दोनों पक्षों के साझा हितों को पूरा करता है और क्षेत्र एवं दुनिया भर में शांति एवं विकास के लिए अनुकूल है।

प्रवक्ता ने कहा कि चीन दोनों देशों और दोनों देशों के लोगों के बुनियादी हितों से आगे बढ़ने, समग्र स्थिति और भविष्य को ध्यान में रखने और द्विपक्षीय संबंधों को स्वस्थ और स्थिर प्रगति के रास्ते पर लाने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है।

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए हैं, इसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 543 सीट में से 240 पर जीत हासिल की है और कांग्रेस को 99 सीट मिली हैं। आम चुनावों के परिणाम में भाजपा नीत राजग गठबंधन 543 सदस्यीय लोकसभा में 272 के बहुमत के आंकड़े से तो काफी ऊपर है, लेकिन भाजपा 2014 के बाद पहली बार जादुई आंकड़े से पीछे रह गई है। इससे पहले इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' सहित विश्व के तमाम नेताओं ने आम चुनावों में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है। दुनिया भर के नेताओं ने उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है।

ट्रंप का दोष हुआ सिद्ध, समर्थकों ने दंगों और सामूहिक हत्या की दी धमकी

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

बीते दिनों अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूर्याक की अदालत ने आपराधिक मामलों में दोषी पाया है। इस फैसले से नाराज ट्रंप समर्थकों नें दंगे और सामूहिक हत्या करने की धमकियां दी हैं। रिपब्लिक पार्टी के कई नामचीन लोगों ने अदालत के इस फैसले को भ्रष्ट, धांधलीपूर्ण बताते हुए इसका मजाक बनाकर खारिज किया है।

दक्षिणपंथी ट्रंप सपोर्टर ने सबसे ज्यादा टिप्पणियां की हैं। एक समर्थक ने अपनी तख्ती पर लिखा 'किसी कैदी को मत लो'। वहीं एक समर्थक ने हत्या का समर्थन करते हुए कहा कि 'उन्हें रस्सी दे दो'। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि बात करने का समय चला गया है उन्हें कोर्ट के बाहर झूल जाना चाहिए। कुछ लोगों नें प्रतीकात्मक भाषा में अपनी बात लिखी थी। कुछ लोगों की पोस्ट में 'शॉर्ट ड्रॉप्स' लिखा था। इसका एक अर्थ ये निकाला जा रहा है कि ट्रंप के मुकदमें की देख-रेख करने वाले को फांसी दे देनी चाहिए।

एक यूज़र ने लिखा 'शॉर्ट वॉक एंड लॉंग ड्रॉप्स' । इसके साथ उसमें हैलीकॉप्टर वाला इमोजी भी लगाया हुआ था। इसका एक अर्थ मौत की उडान से लगाया जा रहा है। इस तरह के वाक्य का इस्तेमाल इससे पहले चिली और अर्जेंटिना के दक्षिणपंथी नेताओं ने अपने विरोधियों को मौत की सजा दिलाने के लिए प्रयोग किए थे। कुछ लोगों ने लिखा वांमपंथियो पर लगाम लगाने का समय आ गया है। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के सपोर्टर मानते हैं कि ट्रंप को दोषी ठहराना तर्कहीन है। ये लोग देश की राजनीति और कानून व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं। एक व्यक्ति ने कहा कि दस लाख लोगों को हथियारों के साथ वाशिंगटन जाना चाहिए और सबको फांसी दे देनी चाहिए। यही एकमात्र समाधान है।

इस तरह से लोगों ने बेवजह की अनाब-सनाब बातें लिखना और बोलना शुरू कर दिया है। वे मानते हैं कि देश की त्रुटिपूर्ण और भ्रष्ट न्यायप्रणाली के जरिए लोगों का शोषण किया जा रहा है। इस तरह अब देखना ये होगा कि आने वाले समय में जब ट्रंप को इस मामले में सजा सुनाई जाती है तो इनके समर्थकों का क्या रिएक्शन होता है। हम आपको बता दें कि साल 2021 में ट्रंप समर्थक संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक बिल्डिग 'यूएस कैपिटल हिल' पर हमला कर चुके हैं।

इस घटना से पूरी दुनिया में अमेरिका को लेकर गलत मेसेज गया था।

75 साल के बुजुर्ग से हुआ फ्रॉड, प्रेम के जाल में फंसा, जिंदगी भर की कमाई ले उड़ी 'हसीना'

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . दुनिया में ऑनलाइन ठगी एक महामारी की तरह बढ़ती जा रहे हैं। लालच हो या फिर प्यार ही क्यों न हो। इस तरह के ऑनलाइन फ्रॉड का मामला हाल ही में अमेरिका में सामने आया है, जहां 75 वर्षीय एक पेशेवर ने लिंक्डइन पर मिली एक महिला के साथ अपनी जिंदगी भर की बचत लगभग 6 करोड़ रुपये गंवा दी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला अमेरिकी मिडवेस्ट के एक व्यक्ति से जुड़ा है, जो "पिग बुचरिंग" के नाम से जाने जाने वाले एक ऑनलाइन स्कैम का शिकार हुआ। यह घोटाला लिंक्डइन पर एक घोटालेबाज के संदेश से शुरू हुआ, जो एक अमीर युवा चीनी महिला के रूप में खुद को पेश कर रहा था। घोटालेबाज ने खुद को सैन फ्रांसिस्को में रहने वाली एक सफल सोने की वायदा व्यापारी वायोलिन चेन के रूप में पेश किया और एक शानदार जीवन शैली की तस्वीरें साझा कीं। उसने उस बुजुर्ग की पेशेवर उपलब्धियों की सराहना की। जैसे-जैसे ऑनलाइन बातचीत बढ़ती गई, घोटालेबाज ने व्हाट्सएप पर अपनी बातचीत जारी रखने का सुझाव दिया। बातचीत के साथ ही, जालसाज ने विश्वास को और गहरा करने के लिए पीड़ित के साथ रोमांटिक संबंध बनाना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे पीड़ित जाल में फंसता गया, जालसाज लड़की की तरह रोजाना बातचीत करने लगा, अपने खाने, कसरत और अन्य गतिविधियों के बारे में व्यक्तिगत विवरण साझा करने लगा। उसके व्यक्तित्व से आकर्षित होकर, पीड़ित ने उस पर पूरी तरह से भरोसा करना शुरू कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, धोखा तब और गहरा हो गया जब वायोलेन ने प्रस्ताव दिया कि वे एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर एक साथ निवेश करें, जिसके बारे में उसने कहा कि इसका स्वामित्व उसके चाचा के पास है। उसने उस व्यक्ति को ट्रेडिंग संबंधित ऐप पर एक अकाउंट बनाने में उसकी हेल्प और उसे शुरुआत में 1,500 डॉलर जमा करने के लिए राजी किया।

बुजुर्ग ने धोखेबाज के प्यार में पड़ अपने स्टॉक और म्यूचुअल फंड बेच दिए, अंततः ट्रेडिंग अकाउंट में 3,00,000 से अधिक डॉलर जमा कर दिए। ऐप ने भ्रामक रूप से उनके संयुक्त निवेश को लगभग 1.5 मिलियन डॉलर तक बढ़ते हुए दिखाया।

हालांकि, जब पीड़ित ने धन निकालने का प्रयास किया, तो रिक्वेसट को ब्लॉक कर दिया और उसके पैसे को रिलीज करने के लिए अतिरिक्त शुल्क की मांग की। हताश होकर, पीड़ित ने अपने शेष निवेश जिसमें एक बैंक ऋण और एक होम-इक्विटी ऋण का उपयोग करके इन शुल्कों का भुगतान किया, जिससे कुल $716,212 (5,97,39,959 रुपये) का नुकसान हुआ। घोटालेबाज ने आखिर इस स्थिति के लिए पीड़ित को दोषी ठहराया और बातचीत करना बंद कर दिया।

शाहरूख खान की एनजीओ "मीर" को मिला एफसीआरए लाइसेंस

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने शाहरूख खान की संस्था "मीर फाउंडेशन" को विदेशी योगदान पंजीकरण अधिनियम (FCRA) लाइसेंस दिया है। यह लाइसेंस पांच साल के लिए दिया गया है। इसके मिलने से अब संस्था विदेश से भी अनुदान (डोनेशन) प्राप्त कर सकेगी। इस साल लगभग 175 संस्थाओं को FCRA लाइसेंस दिया गया है। इसमें मेरीकॉम की संस्था मेरीकॉम रीजनल बॉक्सिंग फाउंडेशन भी शामिल है।

एसिड एटैक से पीड़ित महिलाओं के लिए करती है काम : शाहरूख ने साल 2013 में 'मीर फाउंडेशन' की शुरूआत की थी। यह संस्था एसिड एटैक का शिकार हुई महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करती है। अपनी वेबसाइट के अनुसार, यह फाउंडेशन महिलाओं को सशक्त बनाने और समाज को एक साथ लाने के लिए कई मोर्चों पर काम करती है। FCRA लाइसेंस मिलने के बाद अब संस्था विदेश से भी डोनेशन प्राप्त कर सकेगी। **किन संस्थाओं को मिलता है यह लाइसेंस :** संस्थाओं को FCRA लाइसेंस देने का काम गृह मंत्रालय करता है। गृह मंत्रालय के अनुसार कोई भी संस्था जो सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक या सामाजिक उद्देश्य के लिए काम कर रही है, वो इसके लिए आवेदन कर सकती है। इसके बाद मंत्रालय अपने नियमों के आधार पर तय करता है कि किस संस्था को यह लाइसेंस उपलब्ध कराया जाएगा। यह पाँच साल के लिए दिया जाता है। हालांकि विदेशी फंडिंग का दुरूपयोग या कोई भी गैर कानूनी काम करते हुए पकड़े जाने पर इसे बीच में ही रद्द किया जा सकता है।

इन संस्थाओं के लाइसेंस रद्द हो चुके हैं : 2020 में FCRA के नियमों में बदलाव लाया गया। इसके बाद ये नियम पहले से और ज्यादा सख्त किए गए। कई जानी मानी संस्थाएं जैसे राजीव गांधी फाउंडेशन, राजीव गांधी चेरिटेबल ट्रस्ट और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च सहित लगभग 100 से ज्यादा एनजीओ के लाइसेंस को इन नियमों के उल्लंघन के आरोप में रद्द कर दिया गया। गृह मंत्रालय के अनुसार, एनजीओ द्वारा विदेशी फंड का कोई भी दुरुपयोग या डायवर्जन FCRA अधिनियम का उल्लंघन माना जाता है।

करीब 70 साल से हर दिन एक पेड़ लगाते आ रहे हैं यह बुजुर्ग

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सारेंगा में रहने वाले श्यामापद बनर्जी आठ साल की उम्र से ही इलाके में पेड़ लगा रहे हैं। अब उनकी उम्र करीब 81 साल हो चुकी है। श्यामापद बनर्जी इस उम्र में भी कड़ी धूप...

• **जालंधर ब्रीज** . पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सारेंगा में रहने वाले श्यामापद बनर्जी आठ साल की उम्र से ही इलाके में पेड़ लगा रहे हैं अब उनकी उम्र करीब 81 साल हो चुकी हैश्यामापद बनर्जी इस उम्र में भी कड़ी धूप, सर्दी और बारिश की परवाह किए बिना रोजाना कम-से-कम एक पेड़ लगाते हैं उनके इस हरित अभियान ने इलाके की तस्वीर बदल दी है इस इलाके में गर्मी में तापमान 50 डिग्री से ऊपर पहुंच जाता है अब स्थानीय लोग श्यामापद को **"पेड़ दादा जी"** कहते हैं दिनचर्या का हिस्सा है पौधे लगाना सुबह के कोई आठ बजे हैं, लेकिन सूरज सिर पर चमक रहा है और तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है इसकी परवाह किए बिना कमर में धोती और सिर पर गमछा लपेटे करीब 81 साल के श्यामापद बनर्जी एक हाथ में फावड़ा और दूसरे में प्लास्टिक की बाल्टी में रखे पौधे के साथ नंगे पांव खेतों की ओर निकल पड़ते हैं करीब दो किलोमीटर चलने के बाद उन्हें पौधे लगाने के लिए एक खाली जगह मिल जाती है वहां मिट्टी खोदने के बाद वह पौधे लगाते हैं और बगल में बहने वाली एक नहर से पानी लेकर उस पर छिड़काव करते हैं

रास्ते में वह पौधों पर उग आए झाड़-झंखाड़ की भी सफाई करते हैं दुनियाभर में जंगलों का हो रहा सफाया पश्चिम बंगाल में झारखंड से सटे बांकुड़ा जिले में सारेंगा नाम की जगह है यहां के श्यामापद बीते सात दशक से भी लंबे अरसे से बिना नागा यह काम करते हैं, किसी पुरस्कार या लालच के बिना अब तक आम, कटहल और ताड़ समेत वह विभिन्न किस्मों के 20 हजार से ज्यादा पौधे लगा चुके हैं वह गांव के लोगों, खासकर बच्चों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं "पहला पेड़ लगाने के बाद इसका नशा हो गया" श्यामापद डीडब्ल्यू से कहते हैं, "पिता ने आठ साल की उम्र में ही पेड़ लगाने का महत्व समझाया था उस उम्र में पहला पेड़ लगाने के बाद मुझे इसका नशा हो गया ये पेड़ हर मौसम में सिर उठा कर धूप, बारिश और तूफान से लोगों और फसलों की रक्षा करते हैं ये इंसान के असली साथी हैं" श्यामापद की चुस्ती-फुर्ती देखते ही बनती है पेड़ लगाने के लिए रोजाना औसतन चार किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद घर लौटते ही वह अपने पालतू पशुओं की देख-रेख और चारा खिलाने में जुट जाते हैं

यह पूछे जाने पर उनका नाम पेड़ दादा कैसे पड़ गया, श्यामापद बताते हैं, "पेड़ लगाते-लगाते पहले इलाके के बच्चे मुझे इस नाम से पुकारने लगे उनकी देखा-देखी दूसरे लोग भी इसी नाम से पुकारने लगे" उनके इस काम के लिए स्थानीय प्रशासन और कुछ क्लब उन्हें सम्मानित भी कर चुके हैं ग्लोबल ग्रीनफोर्स नामक पर्यावरण संगठन की सारेंगा शाखा भी उनको समय-समय पर बीज और चारा देकर सहायता करती रही है इस संगठन के आशीष पाल डीडब्ल्यू को बताते हैं, "कोई व्यक्ति पेड़ों से इतना प्यार कर सकता है, यह श्यामापद को देखे बिना यकीन नहीं होता उनका पूरा जीवन इलाके को हरा-भरा बनाने में ही बीता है" "जिंदगीभर पेड़ लगाता रहूंगा" श्यामापद अपने दो बेटों और परिवार के साथ रहते हैं उनकी दशकों की अथक मेहनत का नतीजा है कि सारेंगा इलाके में कोई भी ऐसी सड़क या तालाब नहीं है, जिसके किनारे उनके हाथों से लगाए पेड़ सिर उठाए ना खड़े हों यह पूछे जाने पर कि आजीवन पेड़ लगाने से उन्हें क्या फायदा हुआ, श्यामापद कहते हैं कि अगर फायदे की सोचता तो यह सब नहीं कर पाता वह कहते हैं, "मैंने समाज के फायदे के बारे में सोचा है इन पेड़ों से लोगों को छाया मिलेगी और साथ ही फल भी मैं आजीवन पेड़ लगाता रहूंगा

मेरे इस संसार से जाने के बाद भी लोगों के मन में इन पेड़ों के तौर पर मेरी यादें रहेंगी" पेड़ को कटने से बचाने के लिए उससे लिपट गए श्यामापद सिर्फ पेड़ ही नहीं लगाते उनको अगर इलाके में कहीं पेड़ कटने की सूचना मिलती है, तो फौरन वहां पहुंच जाते हैं और किसी तरह उसे रोकने का प्रयास करते हैं पेड़ों की कटाई रोकने के लिए वह शिकायत लेकर स्थानीय प्रखंड विकास अधिकारी के दफ्तर पहुंच जाते हैं एक बार तो वह पेड़ से ही लिपट गए थे प्रशासन ने ही उस पेड़ को काटने की मंजूरी दी थी मजबूरन पुलिस और प्रशासन को खाली हाथ लौटना पड़ा कहीं बहुत जरूरत होने की स्थिति में अगर पेड़ काटना मजबूरी हो जाती है, तो श्यामापद इसका सिद्धांत देते हैं कि हर पेड़ के बदले पहले दो पेड़ लगाए जाएं आशीष पाल बताते हैं, "जिस तरह बड़े पैमाने पर जंगल और पेड़ों की कटाई हो रही है, उसका असर मौसम पर साफ नजर आ रहा है ऐसे में श्यामापद बनर्जी अकेले अपने बूते सीमित संसाधनों के बावजूद जो काम कर रहे हैं, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम ही है हमसे जितना बन पड़ता है, इस काम में उनकी मदद करते हैं"

तापमान में वृद्धि को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों के साथ की समीक्षा बैठक

भीषण गर्मी से जुड़ी तैयारियों तथा गर्मी के महीनों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं को रोकने संबंधी उपायों पर की चर्चा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डीजीएचएस डॉ. अतुल गोयल ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ भीषण गर्मी की स्थिति से जुड़ी तैयारियों और देश भर में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केन्द्रों द्वारा अपनाए गए अग्नि और विद्युत सुरक्षा उपायों का आकलन करने के लिए एक वर्चुअल बैठक की। 27 मई 2024 को आईएमडी द्वारा जारी दीर्घकालिक पूर्वानुमान के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया है कि जून 2024 में दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों, जहां तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है, के अलावा देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक अधिकतम तापमान, सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जून के दौरान, उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्रों और मध्य भारत के आसपास के क्षेत्रों में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है।

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय तैयारियां

सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के उच्चतम स्तर के अधिकारी स्थिति की कड़ी निगरानी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा दुर्घटनाओं पर पूर्वाभ्यास किये हैं। अग्नि सुरक्षा के बारे में पूर्वाभ्यास आयोजित करने के लिए शहरी प्रशासन और इंजीनियरिंग विभागों का समन्वय किया गया है। कोड रेड प्रोटोकॉल भी जारी किया गया है। ओडिशा में पूरे राज्य में हीट वेव कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिए दस्तक (घर-घर जाकर) अभियान चलाया जा रहा है। राज्य में लगभग सभी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों में अग्नि सुरक्षा अधिकारियों की पहचान की गई है। हरियाणा ने सभी स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केन्द्रों में आवश्यक दवाओं और लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करने के लिए समर्पित वित्तीय आवंटन किया है। राजस्थान में 104 और 108 से जुड़ी एंबुलेंस सेवाओं में कूलिंग उपकरण लगाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अग्निशमन विभाग से अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र सुनिश्चित किए जा रहे हैं और मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। बिहार में स्वास्थ्य सेवा सुविधा केन्द्रों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ समन्वय जारी है। दिल्ली ने भी सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को अग्निशमन व्यवस्था के लिए निर्देश और एसओपी जारी किए हैं। यदि छोटे सुविधा केन्द्रों में अग्नि एनओसी उपलब्ध नहीं है, चाहे वह सरकारी हो या निजी संस्थान, तो अग्नि निकासी योजना और अग्निशमन व्यवस्था को बनाए रखना अनिवार्य कर दिया गया है।

राज्य स्वास्थ्य विभागों को भेजे गए निर्देश

राज्य स्वास्थ्य विभागों के लिए परामर्श, गर्मी से संबंधित बीमारियों (एचआरआई) के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों की तैयारी को मजबूत करने पर दिशा-निर्देश। क्या करें और क्या न करें तथा आईईसी पोस्टर टेम्पलेट के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य परामर्श। भीषण गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए आपातकालीन शीतलन पर दिशा-निर्देश। देश भर के सभी एम्स और मेडिकल कॉलेजों में गर्मी से हुई मौतों में शव परीक्षण निष्कर्षों पर दिशा-निर्देश प्रसारित किए गए। सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एनडीएमए के द्वारा संयुक्त संचार तथा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के द्वारा स्वास्थ्य सुविधा केंद्र अग्नि सुरक्षा उपायों पर संचार। गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों को रोकने और प्रबंधित करने के लिए स्वास्थ्य सुविधा और एम्बुलेंस की तैयारी के आकलन के लिए सूची। 23 मार्च 2024 को भेजे गए एक पत्र के माध्यम से, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से भीषण गर्मी के कारण होने वाली विनाशकारी घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय उपाय करने का अनुरोध किया गया है। इसके बाद 29 मई 2024 को अग्नि सुरक्षा के संबंध में सभी निवारक उपाय करने के लिए एक और पत्र भेजा गया है।

सीबीआईसी अध्यक्ष ने हरियाणा के रोहतक में जीएसटी भवन का किया उद्घाटन

जीएसटी भवन हरियाणा के प्रमुख जिलों से कनेक्टिविटी के केंद्र में है और जीएसटी करदाताओं को आसान और त्वरित पहुंच की सुविधा प्रदान करता है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने हरियाणा के रोहतक में सीजीएसटी रोहतक कमिश्नरेट के एक आधिकारिक परिसर जीएसटी भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (जीएसटी, कानूनी, सीएक्स और एसटी); शशांक प्रिया, मुख्य आयुक्त सीजीएसटी पंचकूला जोन मनोज कुमार श्रीवास्तव, सीबीआईसी के वरिष्ठ अधिकारी और सीजीएसटी रोहतक कमिश्नरेट, पंचकूला जोन के अधिकारी और स्टाफ भी उपस्थित थे। रोहतक में सबसे पसंदीदा स्थानों में स्थित यह परियोजना हरियाणा के प्रमुख जिलों से कनेक्टिविटी के केंद्र में है और जीएसटी करदाताओं को आसान व त्वरित पहुंच की सुविधा प्रदान करती है। यह रोहतक बस स्टैंड से लगभग 3 किमी की दूरी पर

है। अमृत काल में परियोजना का उद्घाटन नए भारत की शक्ति को दिखाता है। अग्रवाल ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए और कार्य क्षेत्र के भविष्य की जरूरतों को पूरा करते हुए कोविड-19 महामारी के बावजूद परियोजना आवंटित बजट के भीतर पूरी हो गई।

अग्रवाल ने इस परियोजना के प्रबंधन के साथ-साथ विभाग के लिए बड़े पैमाने पर आधारभूत अवसंरचना के विकास की तैयारी के लिए मुख्य आयुक्त सीजीएसटी पंचकूला जोन के नेतृत्व में इस परियोजना में शामिल सभी अधिकारियों, एजेंसियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार आधारभूत अवसंरचना के विकास के लिए लगातार सहायता और प्रोत्साहन दे रही है जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि वित्त मंत्रालय ने पिछले 10 वित्तीय वर्षों (यानी, 2014-24) में सीबीआईसी की आवासीय और कार्यालय भवन परियोजनाओं को लगभग 4,600 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

सीबीआईसी के सदस्य शशांक प्रिया ने अपना अनुभव साझा किया और कहा कि जब वह 34 वर्ष पहले विभाग में शामिल हुए थे, तब बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं और कार्यालय किराए के परिसर में चलाया जाता था। उन्होंने कहा कि यह नया भवन निश्चित रूप से अधिकारियों और कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करेगा जिससे आउटपुट में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि करदाताओं की संख्या बढ़ रही है, हमें आसान अनुपालन की दिशा में उन्हें सुविधाजनक बनाने के लिए अधिक साधनों और आधुनिक सुविधाओं की आवश्यकता है। सीजीएसटी पंचकूला जोन के मुख्य आयुक्त श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सीबीआईसी के लिए भविष्य के लिए कार्य स्थान प्राप्त करना गर्व और खुशी की बात है, जो न केवल समय सीमा के भीतर बल्कि स्वीकृत बजट के भीतर भी पूरा हो गया है।

स्वास्थ्य व रक्षा मंत्रालय ने टेली मानस सेल के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में दो साल की अवधि के लिए पायलट परियोजना के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय टेलीमेंटल स्वास्थ्य हेल्पलाइन, टेली मानस की विशेष सेल के संचालन में दोनों मंत्रालयों के बीच सहयोग को सहज बनाना है। इस समझौता ज्ञापन पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव एवं प्रबंध निदेशक सुश्री आराधना पटनायक और सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह ने हस्ताक्षर किए। विशेष टेली-मानस सेल का उद्घाटन 1 दिसंबर, 2023 को पुणे के सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया था।

भारतीय सेना के सामने आने वाले विशिष्ट तनावों की पहचान करते हुए, सशस्त्र बलों में टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता

महसूस की गई है। इसलिए परिचालन माहौल, सांस्कृतिक चुनौतियों और क्षेत्रीय संघर्षों से संबंधित विशिष्ट तनाव सशस्त्र बलों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक विशेष दृष्टिकोण की आवश्यकता है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से, सशस्त्र बलों के कर्मियों और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित किया जाएगा। इससे सशस्त्र बलों के लाभार्थियों को विशेष देखभाल तक सीधी पहुँच उपलब्ध होगी और उनकी विशिष्ट मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं का तुरंत एवं प्रभावी ढंग से समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह ने कहा कि सशस्त्र बल कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही है।

जालंधर कैंट से अगला विधायक और पंजाब मे भाजपा की सरकार बननी तय : अशोक सरीन हिक्की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लोकसभा चुनावो मे लोकसभा चुनावो के नतीजों मे नंबर चार से नंबर दो पर पहली बार पहुंची भाजपा ने सभी विरोधी राजनीतिक दलो के गणित को बिगाड़ हैरान कर दिया है। यह बात भाजपा जालंधर के महामंत्री एवं कैंट विधानसभा प्रभारी अशोक सरीन हिक्की ने कैंट विधानसभा मे भाजपा को वोट एवं समर्थन करने वाले सभी लोगो का धन्यवाद कर बोला हल्के मे फेल हो चूकी कानून व्यवस्था, हर तरफ टूटी सड़के, गंदे पानी की सप्लाई एवं खराब सीवरेज सिस्टम के खिलाफ लोगो ने पंजाब सरकार की आम आदमी पार्टी के खिलाफ जाकर भाजपा पर विश्वास जिताया है।

कैंट विधानसभा के लोगों की आस विश्वास को पूरा करने के लिए हर भाजपा कार्यकर्ता दिन-रात कार्य करेगा। सरीन ने बताया की जालंधर कैंट विधानसभा के इलाके गाँव सुनार खुर्द, लखनपाल, जंडियाला, जमशेर, संसारपुर, दादूवाल, दीवाली, प्रतापपूरा, फोफ़ोल्डीवाल, अलीपुर,

खाबड़ा जैसे दर्जनों ग्रामीण इलाको की टूटी सड़के को बनवाने और गाँव धीना मे लोगो के घरों मे घुस रहे सीवरेज के पानी की परेशानी को सबसे पहले ठीक करवाने का काम हमारे भाजपा के कार्यकर्ता करेंगे। सरीन ने बताया इतना ही नहीं नगर निगम के अन्तर्गत आते अर्बन एस्टेट,मोटा सिंह नगर,चीमा नगर,मिठापुर,गार्डन कॉलोनी जैसे दर्जनों प्रमुख इलाको मे पीने वाले पानी की किल्लत एवं कम सप्लाई से हो रही परेशानी को भी हम सब भाजपा कार्यकर्ता मिलकर दूर करेंगे। अशोक सरीन ने अंत मे कहा की इस बार लोकसभा मे हम जीत नही सके परंतु चुनावी नतीजों ने साबित कर दिया है की जालंधर कैंट से अगला विधायक और पंजाब मे भाजपा की पंजाब सरकार बननी तय है।

114 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा किया गया वृक्षारोपण

जवानों ने पर्यावरण की रक्षा के प्रति दिखाई प्रतिबद्धता

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

114 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स जालंधर ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर 114 बटालियन के कमांडेंट अश्विनी कुमार झा ने जवानों को संबोधित करते हुए इस विशेष दिन की 50वीं वर्षगांठ के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में कमांडेंट ने जापानी वनस्पतिशास्त्री मियाबाकी विधि से पौधे लगाने की तकनीक का जिक्र किया। उन्होंने जवानों से अपील की कि वे लगाए गए पेड़ों की बरसात तक हमेशा सुरक्षा और देखभाल करें। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा हैं और हमें इनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। वृक्ष हमें न केवल स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

इस मौके पर जवानों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई और पौधे भी लगाए गए। इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए, जिनमें फलदार, छायादार और औषधीय पौधे शामिल थे। जवानों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

एनसीसी कैडेटों द्वारा प्रेरक विश्व पर्यावरण दिवस गतिविधियों की मेजबानी करती है सुकना झील

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सुकना झील में विश्व पर्यावरण दिवस का एक प्रेरक उत्सव देखा गया, क्योंकि एनसीसी चंडीगढ़ समूह मुख्यालय के तत्वावधान में 2 चंडीगढ़ बटालियन के एनसीसी कैडेटों ने पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रभावशाली गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक नुक्कड़ नाटक के साथ हुई, जो एक नुक्कड़ नाटक था जिसने पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ प्रथाओं की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रदर्शन ने महत्वपूर्ण जनता का ध्यान आकर्षित किया, विभिन्न दर्शकों

के बीच पर्यावरणीय जिम्मेदारी के महत्व को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया।

नुक्कड़ नाटक के बाद, कैडेटों ने पोस्टर बनाने की गतिविधि के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। दृश्यात्मक रूप से सम्मोहक पोस्टर हमारे पर्यावरण की रक्षा करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाते हैं, स्थिरता के संदेश को मजबूत करते हैं। पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, कैडेटों ने सामूहिक रूप से हरित प्रतिज्ञा ली। यह प्रतिज्ञा पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करने वाली आदतों को अपनाने के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करती है।

इन गतिविधियों के अलावा, कैडेटों ने एक व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया। उन्होंने समुदाय को इंटरैक्टिव सत्रों में शामिल किया, विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा की और संरक्षण के महत्व पर जनता को शिक्षित किया।

इन संवादों के माध्यम से, उन्होंने स्वस्थ ग्रह में योगदान देने के लिए व्यक्तियों द्वारा उठाए जाने वाले सक्रिय कदमों पर व्यावहारिक सुझाव दिए। सुकना झील में एनसीसी कैडेटों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह एक शानदार सफलता रही। उनके प्रयासों ने समुदाय के भीतर जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक पर्यावरणीय कार्रवाई को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी के बीच स्टाफ स्तर की बातचीत का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत और ओमान के बीच समुद्री क्षेत्र में मौजूदा रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में, भारतीय नौसेना (आईएन) और ओमान की रॉयल नेवी (आरएनओ) के बीच स्टाफ स्तर की बातचीत का छठा संस्करण 04 से 05 जून 24 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

आरएनओ के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कमोडोर जसीम मोहम्मद अली अल बलूशी, डीजी ऑप्स एंड प्लान्स ने किया। कमोडोर (एफसी) मनमीत सिंह खुराना ने भारतीय नौसेना के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दोनों नौसेनाओं के बीच स्टाफ स्तर की बातचीत की यह श्रृंखला दो ऐतिहासिक समुद्री पड़ोसियों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों

का प्रमाण है। स्टाफ वार्ता के दौरान, दोनों पक्षों ने साझा समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया, जिसके लिए समुद्र में बेहतर अंतर-संचालन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, परिचालन सहयोग, सूचना साझाकरण, समुद्री डोमेन जागरूकता, प्रशिक्षण, मौसम विज्ञान, जल विज्ञान और तकनीकी सहायता से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने आईएफसी-आईओआर, गुरुग्राम का भी दौरा किया और भारतीय नौसेना के उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती से मुलाकात की।

ओमान खाड़ी क्षेत्र में भारत के सबसे करीबी भागीदारों में से एक है और स्टाफ वार्ता का नियमित आयोजन नौसेना सहयोग को मजबूत करने तथा दोनों नौसेनाओं के बीच मौजूदा साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रोहित शर्मा ने 600 इंटरनेशनल सिक्स पूरे कर बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी20 वर्ल्ड कप में एक हजार रन पूरे करने वाले बन गए तीसरे खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क. भारतीय टीम के हिटमैन ने भारत और आयरलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2024 मैच में अर्धशतकीय पारी खेली। रोहित शर्मा ने 37 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों के दम पर 52 रन बनाए। वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने सिक्सर किंग का नया लेवल छू लिया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 600 इंटरनेशनल सिक्स कंप्लीट किए और एक रिकॉर्ड बना दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 सिक्स जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें ये आंकड़ा छूने में महज 3 सिक्स की दरकार थी।

पिछले साल रोहित वनडे वर्ल्ड कप के दौरान सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने का रिकॉर्ड बना चुके थे। वहीं उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में अपने रिकॉर्ड को और बेहतर कर लिया। रोहित के बाद

फोटो-बीसीसीआई

रोहित के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का कारनामा यूनिवर्स बॉस यानी क्रिस गेल ने किया है। पूर्व वेस्टइंडीज दिग्गज ने अपने करियर में 553 सिक्स लगाए। उनके बाद इस लिस्ट में पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी हैं जिनके बल्ले से 476 छक्के निकले।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का कारनामा यूनिवर्स बॉस यानी क्रिस गेल ने किया है। पूर्व वेस्टइंडीज दिग्गज ने अपने करियर में 553 सिक्स लगाए। उनके बाद इस लिस्ट में पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी हैं जिनके बल्ले से 476 छक्के निकले। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रैंडन मैकुलम मार्टिन गुप्टिल (383) चौथे और पाचवें नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा ने इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के अलावा दो और अहम उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पहला तो वह पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में चार हजार रन का आंकड़ा छूने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ये कमाल विराट कोहली और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने किया। रोहित साथ ही टी20 वर्ल्ड कप में एक हजार रन पूरे करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.